भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में दिनांक 17 फरवरी 2023 को भा.वा.अ.शि.प. के अधिकारियों एवं कार्मिकों तथा व.अ.सं., देहरादून के नवनियुक्त कार्मिकों हेतु संयुक्त रूप से 'राजभाषा के प्रगामी प्रयोग संबंधी नियम-अधिनियम' विषय पर भा.वा.अ.शि.प. सभागार में एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. गीता जोशी, स.म.नि. (मी.व वि.) ने कार्यशाला का शुभारंभ किया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य व.अ.सं., देहरादून के नवनियुक्त कार्मिकों तथा अन्य अधिकारियों एवं कर्मियों को राजभाषा हिंदी के प्रयोग के संबंध में नियमों-अधिनियमों से परिचित करवाना था। इस कार्यशाला में कुल 43 कार्मिकों ने भाग लिया जिन्हें राजभाषा हिंदी से संबंधित नियमों-अधिनियमों, दैनंदिन कार्यालयीन व्यवहार में राजभाषा हिंदी का प्रयोग तथा इससे संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला के प्रथम चरण में सर्वप्रथम श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक, (राजभाषा) ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से सभी को राजभाषा से संबंधित नियमों की जानकारी दी। इसके पश्चात श्री रमाकांत मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने राजभाषा हिंदी की महत्ता, इसके साहित्य, संस्कृति तथा इसके उन्नयन के प्रयासों पर अपने विचार साझा किए।

श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक, (राजभाषा) ने मंच का संचालन किया। कार्यशाला के अंत में श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने डॉ. गीता जोशी, स.म.नि. (मी.व वि.) तथा श्री रमाकांत मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस कार्यशाला में कुल 43 कार्मिकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यशाला के पश्चात प्रतिभागियों से दो बिंदुओं पर प्रतिपुष्टि मांगी गई थी। कुल 43 प्रतिपुष्टियां प्राप्त हुईं। पहले बिंदु के अंतर्गत कार्यशाला की उपयोगिता के बारे में तीन विकल्प दिए गए जो क्रमशः अति-उपयोगी, उपयोगी व संतोषजनक थे। 25 प्रतिभागियों (59%) ने इस कार्यशाला को अति उपयोगी पाया। 16 प्रतिभागियों (37%) ने इसे उपयोगी बताया तथा 02 प्रतिभागियों (4%) ने इसे संतोषजन बताया।

प्रशिक्षण को और सार्थक बनाने के उद्देश्य से दूसरे बिंदु में प्रतिभागियों के सुझाव आमंत्रित किए गये थे। अधिकतर प्रतिभागियों के अनुसार राजभाषा प्रशिक्षण कार्यशाला अति उपयोगी है। प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि प्रशासनिक पत्रों की शैली तथा हिंदी टंकण के बारे में भी कार्यशाला करवाई जानी चाहिए। विज्ञान के क्षेत्र में राजभाषा हिंदी के प्रयोग हेतु कार्यशाला के आयोजन का एक महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुआ। इसके साथ ही प्रशासनिक शब्दकोश की उपलब्धता के भी सुझाव प्राप्त हुए। अधिकतर प्रतिभागियों का मत था कि कार्यशाला नियमित तौर पर होती रहनी चाहिए।

हिंदी कार्यशाला की कुछ झलकियां

भा.वा.अ.शि.प. में हिंदी कार्यशाला का

कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए स.म.नि.(मी.व वि.) डॉ. गीता जोशी

हिंदी कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी

हिंदी कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी